28th -July-2019

हिन्दुस्तान • देहरादून • रविवार • 28 जुलाई 2019 •

रुड़की मिट्टी के नमुने लेती मदरहुड विश्वविद्यालय की छात्रा। ● हिन्दुस्तान

छात्र-छात्राओं ने स्वदेशी किट से की मिट्टी की जांच

रुड़की। मदरहुड विवि के छात्रों ने आचार्य बालकृष्ण की ओर से बनाई गई किट से मिट्टी की जांच की।

कुलपति प्रो. नरेंद्र शर्मा ने बताया कि डॉ. राजीव कुमार और डॉ. विचित्र बालियान की टीम को इस मुहिम की जिम्मेदारी सौंपते हुए किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कहा गया। किट के माध्यम से छात्रों ने रुड़की, भगवानपुर एवं छुटमलपुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर मिट्टी के सैंपल लिए। किसानों को समय-समय पर खेतों की मिट्टी की जांच कराने को कहा गया।

देहरादून। रविवार ● 28 जुलाई ● 2019

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

मदरहुड विवि के छात्र करेंगे खेत की मिट्टी की जांच

■ **रुड़की/एसएनबी।** मदरहुड विवि के कुलपति प्रो. डा. नरेन्द्र शर्मा ने पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आचार्य बालकृष्ण द्वारा ईजाद की गयी धरती का डाक्टर किट के द्वारा बीएससी कृषि के 55 छात्रों को क्षेत्रीय गांव की मिट्टी की जांच करने के लिए भेजा। कुलपति ने कृषि संकाय के उपअधिष्ठाता डा. राजीव कुमार एंवम सहप्राध्यापक डा. विचित्र बालियान की एक टीम को इस मुहिम की जिम्मेदारी सौंपते हुए किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध किया।

रुड़की : खेत की मिट्टी के नमूनों की जांच करता छात्र।

धरती का डाक्टर किट कार्यक्रम

धरती का डॉक्टर किट के माध्यम से बीएसीसी (कृषि) ऑनर्स के 55 छात्रों ने रुड़की, भगवानपुर एवं छुटमलपुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर मिट्टी के सैम्पल लिये और मृदा का पीएच मान, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश एवं कार्बनिक पदार्थों की मात्रा का परीक्षण करते हुए परिणाम प्राप्त किये।

मदरहुड विवि एवं पंतजलि बॉयो रिसर्च संस्थान द्वारा यह अभियान चलाया गया। इस परीक्षण के दौरान प्राप्त रिर्पोटो के आधार पर यह पता चला कि मृदा का पीएच 6.5 से 7.5 मान पर उदासीन होता है, जिसे मृदा के लिए साधारण माना जाता है। परीक्षण से पता चला कि उदासीन होने के साथ पीएच मान अधिकतर क्षेत्रों में 6.4 से 7.0 पाया गया। कार्बनिक पदार्थो की मात्रा अधिकांशतः कम एवम् अत्यधिक कम पाई गयी। कुछ क्षेत्रों जैसे भौरी एवं बंजारेवाला की मृदा मे मध्यम प्रकार के कार्बनिक पदार्थो की मात्रा देखने को मिली । नाइट्रोजन की मात्रा लगभग सभी क्षेत्र की मृदा में कम पायी गयी । वही पर परीक्षण के दौरान फॉस्फोरस की मात्रा अधिकतर क्षेत्र की मृदा मं मध्यम ओर मध्यम से अधिक पाई गयी। पोटाश की मात्रा इस क्षेत्रों की मृदाओं में सामान्यतया मध्यम पायी गयी । इन समस्त रिपोर्टो के आधार पर हम इन क्षेत्रों के समस्त किसान भाईयों को कहना चाहेंगे कि समयस्समय पर अपने खेतों की मिट्टी की जांच जरूर कराएं।

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. ESTABLISHED 1838 NEW DELHI WEDNESDAY, JULY 31, 2019 PAGES 36 CAPITAL INVITATION PRICE ₹4.50; ₹7.00 WITH ET OR ₹8.50 (₹7.00 IN FARIDABAD & GREATER D

THE TIMES OF INDIA

Myriad of internship options

It is only recently that Indian educationists have understood that the best way to impart quality education is by providing two-fold training. The first is through classroom learning, while the second is by industry interactions or as they are popularly known, internships. However, this concept have been common in international institutions for a while now. Internships not only teach students how best to cope with the ground reality that they would be dealing with as a professional, but also widens their horizon in terms of opeions available to them if they like the role and the company that they have interned in. This is a major reason that attracts students to study abroad.

>>Narendra Sharma